बुलंद हौसले से सुरेंद्र बने फेलो फार्मर

- 1 एकड़ में 600 क्विंटल गन्ना उत्पादन किया किसान सुरेंद्र कांत शर्मा ने
- वाइडरो की तकनीक से गन्ना की खेती कर आम फसलों के मुकाबले उठा रहे तीन गुना मुनाफा

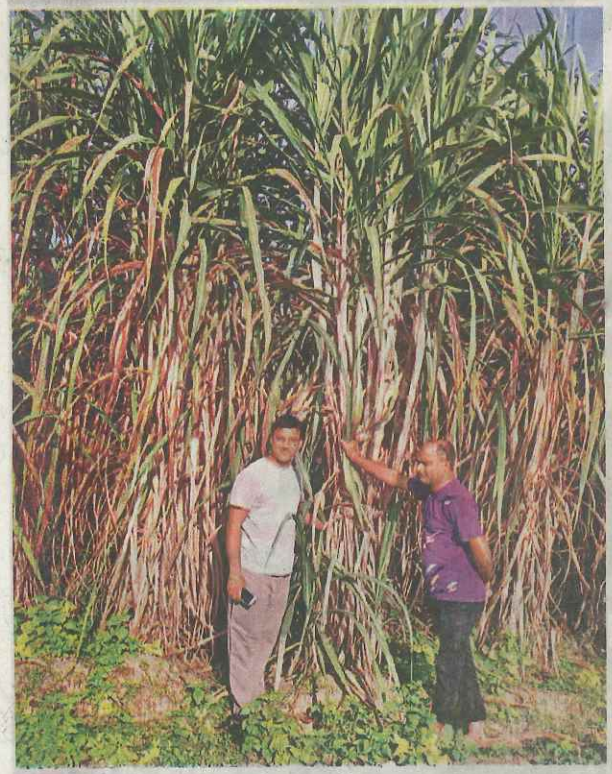

अपने खेत में गन्ने की फसल के साथ सुरेंद्र कांत शर्मा

सुभाष डागर ● बल्लभगढ़

बुलंद इरादों से सफलता निश्चित ही मिलती है। सुरेंद्र कांत शर्मा ने अपने खेत में 600 क्विंटल गन्ना उत्पादन कर उपर्युक्त पंक्तियों को साबित कर दिखाया है। उन्हें इस उपलब्धि के लिए दिल्ली के पूसा कृषि अनुसंधान संस्थान ने फेलो फार्मर अवार्ड से सम्मानित किया। अब तक वे गन्ना उत्पादक के रूप में 22 पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। उनसे फरीदाबाद और पलवल जिले के करीब 100 किसान प्रेरित होकर गन्ना उत्पादन कर रहे हैं।

गांव मोहना के रहने वाले सुरेंद्र कांत शर्मा ने 1994 में स्नातक की डिग्री प्राप्त की और उन्होंने नौकरी करने की बजाय कृषि को अपने व्यवसाय के रूप में चुना। उनके पास 30 एकड़ जमीन है। उन्होंने गांव मंझावली निवासी मुकेश यादव और गांव दयालपुर निवासी किसान बच्चू सिंह से प्रेरित होकर गन्ना की खेती करनी शुरू किया। वह महाराष्ट्र से वाइडरो प्रणाली सीख कर आए हैं। इस प्रणाली से खेत में बीज कम खर्च होता है और उत्पादन ज्यादा प्राप्त किया जा सकता है। पलवल और फरीदाबाद में साधारण प्रणाली से गन्ना की खेती की जाती है। इस प्रणाली में दो से ढाई फुट की दूरी पर नाली होती है और इसमें 35 से 40 क्विंटल बीज पड़ता है और उत्पादन 250 से 300 क्विंटल होता है। वाइडरो प्रणाली के तहत नाली से नाली की दूरी चार फुट और पौधे की दूरी एक से दो फुट होती है। इस प्रणाली से 10 से 12 क्विंटल गन्ने का बीज पड़ता है और उत्पादन 600 क्विंटल तक प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी कीमत दो लाख रुपये है।

आम तौर पर खेती करने से किसान एक एकड़ भूमि में फसल का उत्पादन 70 से 80 हजार रुपये वार्षिक कमा सकते हैं। वे गन्ना की खेती करके सवा लाख रुपये प्रति वर्ष अधिक कमाते हैं। पिछले वर्ष उन्होंने पांच एकड़ में समरमूंग की खेती करके सवा लाख रुपये की दाल का उत्पादन किया। इस वर्ष से 20 एकड़ में समरमूंग की खेती करने जा रहे हैं।

अब तक 22 पुरस्कार मिल चुके हैं: सुरेंद्र कांत शर्मा को सात मार्च-2019 को गन्ना उत्पादक के रूप में दिल्ली पूसा कृषि अनुसंधान केंद्र में आयोजित कृषि मेले में फेलो फार्मर पुरस्कार से राष्ट्रीय नीति आयोग के सचिव डॉ. रमेश चंद ने सम्मानित किया है।

सम्मान और पुरस्कार

- पलवल चीनी मिल ने सर्वश्रेष्ठ गन्ना उत्पादक किसान का सम्मान दिया
- 2017 में हरियाणा कृषि लीडरशिप मीट में प्रदेश के राज्यपाल ने 25 हजार रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया।
- 2015 में जम्मू-कश्मीर कृषि विश्वविद्यालय ने इनोवेटिव किसान का पुरस्कार दिया।
- 2015 में पूसा कृषि अनुसंधान केंद्र नई दिल्ली ने इनोवेटिव किसान पुरस्कार से सम्मानित किया।
- 2016 में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने प्रगतिशील किसान के पुरस्कार से सम्मानित किया। इस तरह के कुल 22 पुरस्कार उन्हें मिल चुके हैं।

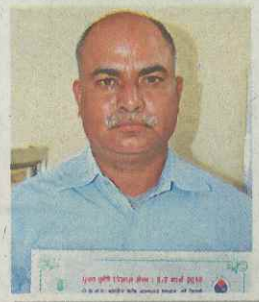

किसानों को नई तकनीक और मशीनों से खेती करनी चाहिए। राज्य सरकार को गन्ना उत्पादन बढ़ावा देने के लिए गन्ने की सिंचाई के लिए ड्रिप सिस्टम पर सब्सिडी देनी चाहिए। इससे जल संरक्षण होगा। सरकार ने कृषि यंत्रों की खरीद पर 10-12 कस्टम हायर सेंटर पर छूट दी है। सरकार ने गन्ना के लिए मशीनों पर कोई छूट नहीं दी है। गन्ना की मशीनों की खरीद पर छूट देनी चाहिए।

- सुरेंद्र कांत शर्मा, मोहना

Jagran
24/03/2019